SIO, NIC, ओडिशा ने पश्चिमी ओडिशा की अपनी यात्रा के दौरान DARPAN के बारे में DM, झारसुगुड़ा को जानकारी देते हुए

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
ओडिशा राज्य केंद्र
यूनिट - IV, सचिवालय मार्ग,
भुवनेश्वर - 751001
दूरभाष: +91 - 674 - 25408438
www.nic.in www.gov.in
ई-मेल: sio-ori@nic.in

"Education is what remains after one has forgotten what one has learned in school"

- Albert Einstein

जिला इकाइयाँ: डिजिटल इंडिया का अहम हिस्सा

एक बार जिलों के सबसे बड़े नागरिक डेटा और संचार नेटवर्क के रूप में प्रशंसित होने के बाद, एन.आई.सी (NIC)की मुख्य ताकत भारत जैसे विशाल देश के सभी जिलों में फैले हुए पंखों में निहित है। एनआईसी जिला इकाइयों ने हमेशा "डिजिटल इंडिया" के जनादेश और जनादेश के तहत जिला प्रशासन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जमीनी स्तर पर ई-गवर्नेंस का समर्थन करने वाली लगभग 700 इकाइयों के परिणाम डिजिटल डिवाइड के अंतर को कम करते हुए आम आदमी को सशक्त बनाने के मामले में अपार हैं।

ओडिशा के जिला इकाइयाँ 80 के दशक के उत्तरार्ध से अपना समर्थन जारी रखे हुए हैं और पहली बार आई.सी.टी (ICT) अवधारणाओं और प्रणालियों को परिचित किया है और डिजिटल ई-गवर्नेंस पर आधारित राज्य सरकार के कामकाज को मजबूत करने के लिए आधुनिक तकनीक और अनुप्रयोगों का लाभ उठाते हुए आज तक यात्रा की है। श्रीमती प्रतिभा सिंह, उप महानिदेशक और

DM बरगढ़ के साथ SIO, ओड़िशा की बैठक

राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, ओडिशा और उनकी टीम ने एन.आई.सी और राज्य प्रशासन के बीच सामंजस्य बनाने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टरों के साथ संबलपुर, झारसुगुड़ा, बरगढ़, और सुंदरगढ़ के पश्चिमी ओडिशा जिलों का दौरा किया और करीबी बातचीत की। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नागरिक सेवाओं को बढ़ाने और मजबूत करने की उनकी आकांक्षा को समझने की दिशा में जिला प्रशासन के साथ टीम ने राज्य में किए जा रहे एन.आई.सी की विभिन्न गतिविधियों से भी डीएम(DM) को अवगत कराया।

संबलपुर जिला प्रशासन और एनआईसी जिला इकाई "वन डिस्ट्रिक्ट वन नंबर" की अनूठी और संयुक्त पहल, वेब आधारित एप्लिकेशन पर लिए

DM सम्बलपुर के साथ SIO, ओडिशा की बैठक

गए आम नागरिक की शिकायतों पर गौर करने और हेल्पडेस्क के माध्यम से सेवा प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से प्रशंसित थी। "DARPAN - DM डैश बोर्ड" के लॉन्चिंग के दौरान इन चार जिलों के जिलाधिकारियों के साथ कई बातचीत की गई, जो ऑनलाइन निर्णय समर्थन तंत्र के माध्यम से प्रशासन का समर्थन करने के लिए NIC का डेटा एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म है।

MCL-Mahanadi Coal Fields India Limited के CMD और निदेशकों के साथ एक संक्षिप्त बातचीत भी की गई, जो कि ओडिशा में स्थित केंद्रीय PSU था, जिसे NIC के सबसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म GePNIC को अपनाने के लिए देश के पहले PSU के रूप में प्रशंसित किया गया था।

डिजिलॉकर: भारत के नागरिकों के लिए डिजिटल लॉकर

डिजिलॉकर कार्यान्वयन पर 19 नवम्बर 2019 को भुवनेश्वर में एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । इसका उद्घाटन ओड़ीशा सरकार के इलेक्ट्रोनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सम्मानीय मंत्री श्री तुषारकांति बेहेरा द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने नागरिकों को इसके लाभ प्राप्त करने के लिए डिजिलॉकर के उपयोग

DigiLocker का स्क्रीनशॉट

पर जोर दिया। इस अवसर पर अन्य वक्ताओं में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव श्री मनोज कुमार मिश्रा, राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव, श्री रुद्र नारायण पलाई थे। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (NeGD), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), भारत सरकार के अधिकारियों की एक टीम, और श्री बी.पी. मिश्र, व.तकनीकी निदेशक, एन.आई.सी, ओडिशा ने डिजीलॉकर के विभिन्न पहलू और ServicePlus जैसे अन्य एप्लिकेशन के साथ इसके एकीकरण को प्रस्तुत किया। सुश्री उषारानी साहू, संयुक्त सचिव, राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग ने ई-रजिस्ट्रेशन सिस्टम में डिजिलॉकर के एकीकरण को प्रस्तुत किया।